



जानकारीयुक्त लेख व किताबें

ब्लॉग



हम बुनियादी कक्षाओं में ज़्यादातर कहानियों और कविताओं का इस्तेमाल करते हैं। मैं भी पहले ऐसा ही करती थी। मैं मानती थी कि बच्चों को कहानियाँ और कविताएँ मज़ेदार लगती हैं, इसलिए इन्हें ही कक्षा में प्रयोग करना सबसे उपयुक्त है। मेरा मानना था कि जानकारी वाले पाठ मुश्किल और उबाऊ होते हैं। इनका उपयोग बड़ी कक्षाओं में ही करना उचित है। पर कुछ साल पहले मेरी यह अवधारणा बदल गई जब मैंने बच्चों के लिए मज़ेदार जानकारीयुक्त किताबें देखीं। और फिर मैंने उन्हें अपनी कक्षा में प्रयोग करना शुरू किया। आज मैं आपसे उनका अनुभव साझा करूँगी।

उन दिनों हम जानवरों के बारे में कक्षा में पढ़ रहे थे। इसलिए मैंने कुछ ऐसी किताबें चुनीं जो जानवरों पर आधारित थीं। उनमें से एक किताब थी- **‘ज़रा अपनी जीभ बाहर निकालना’**, इस किताब में अलग-अलग जानवरों की जीभ के चित्र और उनके बारे में दो शब्द लिखे हैं। जैसे-- नीली जीभ, काली जीभ, रोएँदार जीभ, चिपचिपी जीभ आदि। चूँकि इसमें हर पन्ने पर सिर्फ़ दो शब्द लिखे हैं और हर पन्ने पर विस्तृत चित्र है, इसलिए बच्चों के लिए यह किताब पढ़ना आसान था।



ज़रा अपनी जीभ बाहर निकालना

Authors: Prabha Ram, Sheela Prusult
Illustrator: Sandhya Prabhakar
Translator: Madhu B. Joshi

एक किताब है



नीली जीभ

काली जीभ



रोएँदार जीभ

चिपचिपी जीभ

इस किताब के अंत में यह बताया गया है कि इन सभी जानवरों की जीभ अलग-अलग क्यों होती है। चूँकि यह पन्ना बच्चों के लिए खुद पढ़ना मुश्किल था, इसलिए मैंने बच्चों को यह पढ़कर सुनाया। बच्चों के लिए (और मेरे लिए भी) यह जानना बहुत मज़ेदार था कि कैसे सभी जानवरों की जीभ अलग होती है। बच्चे किताब के चित्र देखते और फिर अपनी और एक-दूसरे की जीभ से उसकी तुलना करते।



आओ जीभों के बारे में बात करें।

क्या आप जानते हैं कि जीभें मांसपेशियों से बनी होती हैं और बहुत से अलग-अलग काम कर सकती हैं? चिप भी जीभें कभी भी चकती नहीं और उनमें कभी कड़ नहीं होता।

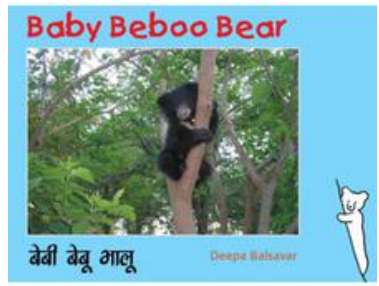
ध्रुवीय भानू की नीली जीभ सूई की गमी को सोख कर उसे गर्म रखती है।

जिराफ की जीभ काली होती है जो इसे अफ्रिका के घास के मैदानों की घुट की खुलसम से बचाती है।

पैमोनिन अपने पायटीटा नाचने पीटियों को सुझकने के लिए अपनी लंबी जीभ को उनकी बाँधियों पर रख देती है।

मैंने पाया कि बच्चे अपने खाली समय में भी इस किताब को अक्सर उलट-पलटकर देखते थे। इस किताब को पढ़ने के बाद बच्चों ने अपने आस-पास के जानवरों की जीभ पर ध्यान देना शुरू किया। वे अब कक्षा में चर्चा करते कि गाय और बिल्ली की जीभ में क्या अंतर है; वे अपनी जीभ से क्या करते हैं। जैसे- बिल्ली अपनी जीभ से अपने आप को साफ करती है, पर गाय नहीं आदि। आप देख सकते हैं कि इस किताब को पढ़कर बच्चों की जानकारी तो बढ़ रही थी, पर साथ ही उनकी जिज्ञासा, उनके अवलोकन और तुलना करने के कौशल का भी विकास हो रहा था।

हमने जानवरों से संबंधित कई और किताबें पढ़ी जैसे – दिनाबेन और गीर के शेर, नन्ही डॉलफिन इरा, बेबी बेबो भालू। इन किताबों की खूबी यह है कि इन किताबों में असल फोटोग्राफ का इस्तेमाल किया गया है। इन चित्रों की मदद से बच्चे असल जानवरों को बेहतर कल्पना कर पाते हैं।



जानवरों के अलावा हमने अन्य विषयों से सम्बंधित किताबें भी पढ़ी। जैसे – मधुमक्खियाँ क्यों भन-भन करती हैं?, हर पेड़ जरूरी है, आदि।

एक बार जब हम कक्षा में पेड़- पौधों के बारे में पढ़ रहे थे, तब हमने वंगीरी मथाई की जीवनकथा के बारे में भी पढ़ा। उनके जीवनचरित को पढ़कर बच्चों ने सुझाव दिया कि वे भी अपने स्कूल में पेड़ लगाना चाहते हैं। और फिर हमने अपने विद्यालय में वृक्षारोपण किया।

मैंने देखा है कि बच्चे अपने आस- पास की दुनिया और अन्य लोगों के जीवन के बारे में जानने के इच्छुक होते हैं। और हम जीवनचरित पढ़कर बच्चों की जिज्ञासा को और बढ़ा सकते हैं। दूसरों के जीवन-चरित को पढ़कर हम समझ पाते हैं कि कैसे उन्होंने अपने जीवन में समस्याओं को सुलझाया। यह हमें दूसरे के जीवन को समझने और संवेदनशील बनने में मदद करता है।



एक छोटा बीज : वंगीरी मथाई की कहानी

Original Publisher: Book Dash
Author: Nicolia Rijadik
Illustrator: Maya Marshak
Translator: Shiv Pratap Pal



वंगीरी ने कड़ी मेहनत की। पूरे संसार के लोगों ने इसे समझा। और उन्हें एक प्रसिद्ध पुरस्कार दिया।

इसे नोबेल शांति पुरस्कार कहा जाता है। इस तरह वह पहली अफ्रीकी महिला बनी जिन्हें यह पुरस्कार मिला।



जानकारीयुक्त किताबों की मदद से बच्चों को नई अवधारणाओं, उनके आस-पास की दुनिया और खास लोगों के बारे में परिचित कराया जा सकता है। इससे बच्चों की सोचने की, समस्या सुलझाने की, अवलोकन की क्षमता तथा कल्पनाशीलता और सृजनात्मकता का विकास होता है। साथ ही, उनके शब्दावली और पढ़ने-लिखने का कौशल भी विकसित होता है।

अन्य जानकारीयुक्त किताबों के अनेक फ़ायदे हैं। पर उनका सही ढंग से चुनाव बहुत ज़रूरी है। जानकारीयुक्त किताबें चुनते समय मैं ध्यान रखती हूँ कि उनमें भाषा सरल हो, उनमें विस्तृत चित्र हो और साथ ही जानकारी इस प्रकार की हो जो छोटे बच्चे आसानी से समझ पाएँ और उसको पढ़ने के लिए उत्साहित हों। मैं कोशिश करती हूँ कि उनके जीवन से जुड़े रोचक विषय चुने जाएँ, जैसे कि पशु-पक्षी, पेड़-पौधे, बाज़ार, पास-पड़ोस, आदि। और बच्चों के लिए अमूर्त विषय, जैसे कि देश, राज्य, नैतिकता आदि न लिए जाएँ।

क्या आपने भी कभी जानकारी युक्त पाठ अपनी कक्षा में प्रयोग किये हैं? अगर हां, तो अपने अनुभव कमेंट्स में साझा करें।

